महिमा हरिद्वार की | By Ashish Chandra Shastri |

सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
बरनी ना जाए खाली
बरनी ना जाए जब गंगा जी की धार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की

तीर्थों में पावन तीर्थ बड़ा अलबेला
बारह बरस में आए कुंभ का मेला
ऋषि-मुनि संत जनों की धारा सतयुग प्यार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की

भस्म रमाए बैठे बड़े संत ज्ञानी
वैराग्य भूमि की है अद्भुत कहानी
पूज्य धारा है पावन बड़े सत्कार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की

बड़े भाग्यशाली हैं जो हर साल आते
गोदी में नन्हे-मुन्ने प्यारे–प्यारे लाते
ब्रज गण ये गंगा मैया बड़े उपकार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की

बरनी ना जाए खाली
बरनी ना जाए जब गंगा जी की धार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की
सुन ध्यान से महिमा बड़ी है हरिद्वार की

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%bf%e0%a4%ae%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%a6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-ashish-chandra-shastri/